संपादकीय

संकट की दस्तक में आत्मबल का संबल

लगभग दो बरस के बाद देश महामारी के दुर्भाग्य से उबरने लगा था। लगता था अब जिंदगी सामान्य हो जायेगी। पिछले बरस तो देश का अर्थतंत्र ही जैसे लड़खड़ा गया। महामारी में लगे पूर्ण-अपूर्ण बन्दों के बाद सकल घरेलू उत्पादन में तेईस प्रतिशत आशातीत वृद्धि और व्यवस्था के स्वतः स्फूर्त हो जाने के सपने देखे जा रहे थे और कहां यह विकास दर लड़खड़ा कर शून्य से नीचे जा ऋणात्मक सात प्रतिशत के आसपास पहुंच गयी।

परिणाम स्पष्ट थे, महानगरों में निवेश निरुत्साह हुआ। फैक्टरियों और मिलों ने सक्रियता का धुआं उगलना बंद कर दिया। सबसे बड़ा कुप्रभाव निर्धन और मध्य वर्ग पर पड़ा। उनकी बंधी-बंधाई नौकरियां छूट गयी, नया रोजगार कहीं था नहीं। देश में एक अजब विडम्बना पैदा हो गयी। बाजार में अतिरिक्त मांग नहीं थी, क्योंकि बेकार हो गये जनसमुदाय की जेब में पैसे नहीं थे और उधर मौद्रिक नीति के उदार तेवर अपनाने या सरकार द्वारा दो-दो आर्थिक बूस्टर जारी करने के बावजूद निवेश प्रेरित नहीं हुआ। आपूर्ति बाजारों से गायब रही, जो आयी वह काला बाजारों और चोर बाजारों का रुख करती रही, इसलिये महंगाई में अप्रत्याशित वृद्धि हो गयी।

दूसरी ओर विश्व सर्वेक्षणों ने बताया कि शुचिता और नैतिक मूल्यों के नारों के बावजूद भारत दुनिया के महाभ्रष्टाचारी देशों में अव्वल खड़ा है। सर्वेक्षकों ने बताया कि यह तो संपर्क देश या जनता के लिए अपना बनाम चिरौरी से करवाने वाला देश बन गया। रिश्वतखोरी एक ऐसी मान्य शार्टकट बन गयी कि 'रिश्वत लेना और देना अपराध है', देश के दफ्तरों में लगे ये सूचनापट निरर्थक हो गये।

बेकारी देश की बेबसी बन गयी। भारत को नौजवानों के बाहुल्य के कारण एक युवा देश कहा जाता है। लेकिन इस विकट काल में यह पीढ़ी भटकती और बेकार पीढ़ी बन गयी। खेतीबाड़ी देश का पुश्तैनी धंधा था, लेकिन इसका राष्ट्रीय आय में घटता योगदान और पहली कृषि क्रांति से पैदा असमर्थता ने गांवों की युवा पीढ़ी को अपना आश्रय देने से इनकार कर दिया। गांवों के युवक अपने परिवारों का निरर्थक बोझ बनने के स्थान पर एक वैकल्पिक और बेहतर जीवन जीने के लिए महानगरों की ओर चल दिये। अधिक स्वप्नजीवी वैध-अवैध तरीकों से विदेशों की ओर निकल गये। वहां गिरते हुए भारतीय रुपये के मूल्य के मुकाबले संपन्न देशों की अधिक मूल्यवान मुद्रा उन्हें तत्काल धनी, या अवधि के बाद स्वदेश लौटने पर त्वरित करोड़पति बना रही थी। इसलिए देश के कृषक समाज से नगरों और विदेशों की ओर पलायन की स्थिति पैदा हो गयी।

लेकिन तब अचानक आगमन हुआ भारत ही नहीं, पूरे विश्व में कोरोना के घातक वायरस का। इसी के कारण देश पहली लहर से संक्रमित हुआ, जिसने पूरे देश के उत्पादक ढांचे को छिन्न-भिन्न कर दिया। महानगरों में गांव से आ जमती नौकरियों के पांव उखड़े और विदेशों में आसरा तलाशते प्रवासी भारतीय बेगाने हो गये। कहा जाता है कि भारत विभाजन के समय जनता के अपने गांव-घरों से पलायन करते हुए इतनी समस्या पैदा नहीं हुई थी, जितनी कोरोना महामारी से अटपटा गये भारत की देशी-विदेशी श्रम शक्ति के समक्ष पैदा हुई।

अभी अनुभव किया जा रहा था कि कोरोना की दूसरी लहर का दबाव कम हो गया, देश में इसके मुकाबले के लिए टीकाकरण का ऐसा रिकार्डतोड़ अभियान चला कि न केवल यहां कोरोना की विदाई की बातें शुरू हो गयीं बल्कि इसने कोरोना की तीसरी लहर के पांव थाम दिये हैं। कहां तो कोरोना संक्रमण के लाखों केस प्रतिदिन आ रहे थे और कहां अब प्रतिदिन चंद हजार तक इनका आंकड़ा गिर गया।

लेकिन देश के विकासशील होने के सपने पर आघात नजर आने लगा। कोरोना का कई गुणा तेज घातक वायरस 'ओमिक्रॉन' जो पहले दक्षिणी अफ्रीका से उभरा था, वह जल्द ही आस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, इटली और जर्मनी भी पहुंच गया।

- सुरेश सेठ

ताजीज और रिलायंस का 2 अरब डॉलर का रणनीतिक संयुक्त उद्यम हुआ समझौता

नई दिल्ली। अबू धाबी केमिकल्स डेरिवेटिव्स कंपनी आरएससी लिमिटेड (ताजीज) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने दो अरब डॉलर के निवेश से विश्व स्तर पर रासायनिक उत्पादन साझेदारी ताजीज ईडीसी एंड पीवीसी लॉन्च करने के लिए समझौता किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि यह उत्पादन क्षमता रुवाइस में ताजीज औद्योगिक रसायन क्षेत्र में लगाई जाएगी। नए संयुक्त उद्यम 2 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात में इन रसायनों का पहली बार उत्पादन किया जाएगा। यह परियोजना वैश्विक स्तर पर इन रसायनों की बढ़ती

मांग को पूरा करने के साथ-साथ आयात को भी कम करेगी। ताजीज औद्योगिक रसायन क्षेत्र - अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और एडीक्यू के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

यह परियोजना एडीएनओसी और रिलायंस की दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। इस क्षेत्र में रिलायंस का यह पहला निवेश है। संयुक्त अरब अमीरात के उद्योग और उन्नत प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ सुल्तान अहमद अल जाबेर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी की मौजूदगी में समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर ताजीज के कार्यवाहक सीईओ खलीफा अल महेरी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष स्ट्रेटजी एंड बिजनेस डेवलपमेंट कमल नानावती ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर श्री अंबानी ने कहा, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और ताजीज के बीच यह संयुक्त उद्यम भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लंबे समय से चले आ रहे महत्वपूर्ण संबंधों को और मजबूत करेगा। हमें खुशी है कि हम संयुक्त अरब अमीरात में ताजीज औद्योगिक रसायन क्षेत्र में विनाइल श्रृंखला में पहली परियोजनाएं स्थापित करेंगे, जिसे रसायनों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

डॉ अल जाबेर ने कहा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ यह रणनीतिक साझेदारी संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच मजबूत और गहरे द्विपक्षीय संबंधों पर आधारित है। हम इस नए संयुक्त उद्यम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी करके खुश हैं, जो संयुक्त अरब अमीरात में पहली बार महत्वपूर्ण औद्योगिक कच्चे माल का निर्माण करेगा और औद्योगिक क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए हमारी राष्ट्रीय रणनीति का मजबूती देगा।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पेट्रोल-डीजल के नए रेट हुए जारी

नई दिल्ली। कच्चा तेल महंगा होने के बावजूद पेट्रोल और डीजल के रेट में लगातार 34वें दिन भी राहत मिली है। पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं और आज बुधवार यानी 8 दिसंबर को रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके बावजूद भारत के दो शहरों के बीच पेट्रोल के दाम में 29.15 रुपये और डीजल के रेट में 18.13 रुपये का अंतर है। पिछले सप्ताह इस बाजार में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण सप्ताह के अंतिम दिन भी कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही रहा, लेकिन इस सप्ताह दो दिन में ही यह 75 डॉलर के पार चला गया। बीते सप्ताह 3.089 मिलियन बैरल कच्चे तेल का ड्रॉ हुआ। इससे दो दिन में ही ब्रेंट क्रूड 7 फीसदी से भी ज्यादा महंगा हो गया।

व्यापार नीति पर अनुसंधान, क्षमता विस्तार के लिए संस्थाओं का सहयोग लेगी सरकार

नई दिल्ली । भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति के जटिल पक्षों के अध्ययन-अनुसंधान और नीति निर्माण में देश की क्षमता बढ़ाने में सहयोग के लिए देश और विदेश के कुछ चुनिंदा संस्थानों के साथ त्रिपक्षीय करार किया है। इस दिशा में जिनेवा में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के लिए भारत के स्थायी मिशन, दिल्ली के सेंटर फार ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट ला (सीटीआईएल) तथा भारतीय विदेश व्यापार संथान और जिनेवा के सेंटर फॉर ट्रेड एंड इकोनॉमिक इंटिग्रेशन ऑफ दी ग्रेजुएट इंस्टिच्यूट के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी कानून और नीति के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नीति नियामक क्षमता बढ़ाने में परस्पर सहयोग के त्रिपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सहयोग समझौते से सीटीआईएल में काम कर रहे व्यक्तियों और भारत सरकार के अधिकारियों को संबंधित विषयों पर अध्ययन एवं अनुसंधान के मूल्यवान अवसर प्राप्त होंगे। समझौते पर विश्व व्यापार संगठन में भारत के राजदूत एवं स्थायी प्रतिनिधि ब्रिजेंद्र नवनीत, सीटीआईएल के प्रमुख प्रो. जेम्स जे नेदुम्परा और जिनेवा के ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय विधि विभाग के प्रोफेसर जूस्त पाउवेलिन ने हस्ताक्षर किए।

क्रिप्टोकरंसी निवेशकों का ब्योरा सेबी-आरबीआई को देना होगा

नई दिल्ली। जल्द ही क्रिप्टो एक्सचेंज को क्रिप्टोकरंसी निवेशकों का केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) ब्योरा पूंजी बाजार नियामक सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को देना होगा। सेबी और आरबीआई को यह अधिकार संसद में पेश होने वाले 'द क्रिप्टोकरंसी एंड रेगुलेशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल, 2021' से मिलेगा। इस से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार का नया क्रिप्टोकरंसी बिल नियामकों और सरकारी एजेंसियों को सशक्त बनाएगा। नए नियम के तहत क्रिप्टोकरंसी एक्सचेंजों को

केवाईसी डेटा को सरकार के साथ साझा करना होगा, इसमें मुख्य रूप से उनके निवेशकों का विवरण शामिल होगा। नया क्रिप्टोकरंसी फ्रेमवर्क एक समान केवाईसी प्रक्रिया को लागू करेगा, जिसका हर एक्सचेंज को पालन करना होगा।

मौजूदा समय में अलग अलग क्रिप्टोकरंसी एक्सचेंजों में अलग-अलग केवाईसी प्रक्रियाएं हैं। सरकार का मानना है कि कई क्रिप्टोकरंसी निवेशक न केवल प्लेटफॉर्मों पर, बल्कि कई बैंकों और एनबीएफसी के साथ भी खातों का संचालन कर रहे हैं, जहां उनका पैसा जमा होता है। ऐसा होने पर हवाला और फर्जीवाड़े की संभावना बढ़ जाती है।

केंद्र सरकार क्रिप्टोकरंसी निवेशकों को अपनी संपत्ति घोषित करने और किसी भी नए नियमों को पूरा करने के लिए एक समय सीमा देगी। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सरकार अच्छी तरह से परामर्श के बाद क्रिप्टोकरंसी विधेयक पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस नए विधेयक में क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध के बजाय विनियमित करने का प्रयास किया जा सकता है। यही नहीं, सरकार छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश के लिए न्यूनतम सीमा निर्धारित करने पर भी विचार कर सकती है।

एगनेक्स्ट टेक्नोलॉजीज की नैफेड के साथ हुई साझेदारी

नई दिल्ली। प्रमुख एग्रीटेक कंपनी एगनेक्स्ट टेक्नोलॉजीज़ ने अपनी तरह की अनूठी पहल में अरुणाचल प्रदेश की ऑर्गेनिक कीवी के लिए चॉलिटी मूल्यांकन को डिजिटाइज़ करने के लिए नैफेड के साथ साझेदारी की है। राष्ट्रीय स्तर पर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोग्राम योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश कृषि मार्केटिंग बोर्ड (ए.पी.ए.एम.बी) ने अपने मार्केटिंग पार्टनर नैफेड के सहयोग से इन ऑर्गेनिक कीवी को नई दिल्ली में लॉन्च किया है। भारत में पहली बार ऑर्गेनिक कीवी की गुणवत्ता का तेजी से मूल्यांकन करने के लिए एआई बेस्ड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। एगनेक्स्ट ने अपने चॉलिटी मॉनीटरिंग प्लेटफॉर्म, चॉलिक्स के माध्यम से डीप-टेक पर आधारित संपूर्ण अनुरेखण (ट्रेसेबिलिटी) प्रदान करने में सक्षम बनाया है। क्यू.आर. कोड मैपिंग का इस्तेमाल कर उपभोक्ता ओरिजन से लेकर सप्लाई चेन में सभी प्रक्रिया का पता लगा सकते हैं।

कंपनी के सीईओ एवं संस्थापक तरणजीत सिंह भामरा ने कहा, अरुणाचल के लोकप्रिय कीवी व्यापार के लिए संपूर्ण चॉलिटी और अनुरेखण प्रबंधन का समाधान प्रदान करने के लिए नैफेड के साथ काम करना काफी सम्मान की बात है। अभी तक 6000 किलोग्राम से ज्यादा कीवी का क्वॉलिक्स प्लेटफॉर्म पर मूल्यांकन किया गया है।

दक्षिण अफ्रीकी बॉलरों के लिए सिरदर्द बने हनुमा विहारी, भारतीय टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुने गए हनुमा विहारी ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर सिलेक्टर्स को करारा जवाब दिया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनऑफिशियल मैचों की टेस्ट सीरीज में तीसरी फिफ्टी जड़ते हुए भारत की वापसी कराई। उनकी और विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन की शानदार फिफ्टी की बदौलत भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दूसरे दिन छह विकेट पर 229 रन बना लिए। दक्षिण अफ्रीका ए ने पहली पारी में 268 रन बनाए थे। दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर किशन 141 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 86 रन बनाकर खेल रहे थे, जबकि विहारी ने 170 गेंद में 63 रन बना लिए हैं, जिनमें छह चौके और एक छक्का शामिल है। इनके अलावा अभिमन्यु ईश्वरन ने 28 और सरफराज खान ने 14 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ

पांच और देवदत्त पडीक्कल आठ रन बनाकर आउट हो गए। नहीं मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में मौका

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर रहने वाले हनुमा को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत-ए टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने यहां इस मौके को अच्छी तरह भुनाया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दावा पेश किया है। विहारी जब पिछली बार भारत के लिए खेले थे, तो उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट का सामना करना पड़ा था। लेकिन जनवरी में सिडनी टेस्ट मैच में उन्होंने भारत को हार से बचाने में मदद की थी। इसके बाद भारत ने ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती थी। विहारी ने अपने करियर में अबतक केवल 12 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने घर में केवल एक ही टेस्ट खेला है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा का ट्रेलर रिलीज, दमदार एक्शन में दिखे अभिनेता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म पुष्पा द राइज को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। यह फिल्म 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पिछले कुछ सप्ताह से दर्शक फिल्म के ट्रेलर की राह देख रहे थे। अब मेकर्स ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर में अल्लू के अंदाज ने दर्शकों को प्रभावित किया है। वहीं, इसमें फीमेल लीड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी झलक दिखी है।

समीक्षक तरण आदर्श ने फिल्म का हिन्दी ट्रेलर अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर

शेयर किया है। सुकुमार इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। हाल में इस फिल्म से अभिनेत्री रश्मिका का फर्स्ट लुक सामने आया था। पुष्पा में रश्मिका के किरदार का नाम श्रीवल्ली है। फिल्म के जरिए अल्लू और रश्मिका पहली बार साथ आ रहे हैं। रश्मिका की यह पहली फिल्म है, जो सीधे हिन्दी दर्शकों के बीच भी पहुंचेगी।

एक घने जंगल के दृश्य से ट्रेलर की शुरुआत होती है। इसमें दिखाया जाता है कि कैसे चंदन की लकड़ी को पूरे दुनिया में यहां से वितरित किया जाता है। इन लकड़ियों को धरती का उगाया हुआ सोना या लाल चंदन कहा जाता है। जंगल में कई मजदूर काम करते हुए नजर आए हैं। इसी बीच फिल्म के हीरो अल्लू की एंट्री होती है, जो अपने हाथ में कुल्हाड़ी थामे हुए हैं। इसके बाद शुरू होता है दमदार फाइट सीन। फिल्म की कहानी चंदन की लकड़ियों की तस्करी से जुड़ा है।

शाहिद कपूर की फिल्म का नया पोस्टर रिलीज, पिता के रूप में दिखे एक्टर

सुपरस्टार शाहिद कपूर स्टारर 'जर्सी' के फैंस ने बहुप्रतीक्षित फिल्म के लॉन्च के लिए इंतजार किया है और अब 31 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'जर्सी', 'कबीर सिंह' की शानदार सफलता के बाद शाहिद की बड़े पर्दे पर वापसी होगी. फिल्म की रिलीज के महीने में कदम रखते हुए, फिल्म के मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी करके जर्सी फिल्म रिलीज की उलटी गिनती शुरू कर दी है.

जर्सी का नया पोस्टर पिता-पुत्र के रिश्ते पर जोर देता है जो की फिल्म में नजर आएगा. सभी का दिल चुराते हुए, पोस्टर में अर्जुन जो की शाहिद कपूर का किरदार है वह, अपने बेटे किट्टू (रोनित कामरा द्वारा अभिनीत) के शूलेस बांधते हुए दिखाई देते है. अर्जुन और किट्टू के बीच के बंधन का प्रतीक यह पोस्टर फिल्म की एक और भावना को दर्शाता है.

आज का राशिफल

मेषः व्यावसायिक स्थल पर आज ऊपरी अधिकारियों के साथ प्रेम से कार्य संपन्न कीजिएगा, उग्र चर्चा में न उतरें वही आप के लिए हितकारी रहेगा।

वृषभः शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। नए कार्य का प्रारंभ आज न करिएगा। साथ में वाणी और वर्तन पर संयम बरतिएगा।

मिथुनः मनोरंजन प्रवृत्ति में आप खोए से रहेंगे। मित्रों के साथ प्रवास- पर्यटन का आयोजन होगा। अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्रालंकार उपलब्ध होंगे।

कर्कः मायके से अच्छे समाचार मिलेंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। प्रतिस्पर्धियों को भी अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे।

कन्याः सामाजिक रूप से अपमान न हो इसका ध्यान रखिएगा। धन हानि होने की संभावना है। क्रोध पर संयम रखिएगा। कार्य सफलता न मिलने के कारण निराशा होगी।

तुलाः नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए आज का दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई भेंट आनंददायी रहेगी। भाग्यवृद्धि होगी।

वृश्चिकः निर्धारित कार्य संपन्न न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। पारिवारिक वातावरण में क्लेश की मात्रा अधिक रहेगी।

धनुः कार्यसिद्धि और लक्ष्मी प्राप्ति दोनों की आज प्राप्ति होगी। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित रहेंगे, इसलिए प्रत्येक कार्य करने में आप को उत्साह रहेगा।

मकरः वाणी और वर्तन के कारण भ्रांति न हो जाए इसका ध्यान रखिएगा। क्रोध की मात्रा बढ़ जाने से किसी के साथ उग्र चर्चा या विवाद न हो जाय। मन में व्यग्रता रहेगी। इसलिए आध्यात्मिकता का आश्रय लेने से मन शांत होगा।

कुंभः सामाजिक क्षेत्र में आप अधिक सक्रिय रहेंगे और उस के फलस्वरूप मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। विवाहोत्सुकों को अनुकूल जीवनसाथी मिलने से दिन के आनंद में भी अभिवृद्धि होगी।

मीनः किसी परोपकार का कार्य आप के द्वारा होगा। व्यापार में उचित आयोजन के द्वारा व्यापार-वृद्धि कर सकेंगे। उच्च अधिकारीगण आप के कार्य की प्रशंसा आनंदपूर्वक करेंगे।

झटपट बनाएं- पनीर टिक्का पुलाव

सामग्री :

मैरिनेशन के लिए- दही- 1 कप, अदरक-लहुसुन पेस्ट- 1 टीस्पून, नमक-स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, हल्दी पाउडर- 1 टीस्पून, चाट मसाला- 1 टीस्पून, जीरा पाउडर- 1 टीस्पून, सरसों का तेल- 1/4 कप, कसूरी मेथी- 1 टेबलस्पून

अन्य चीज़ें- बासमती चावल- 1 कप, पनीर (क्यूब्स में कटे हुए)- 200 ग्राम, कटे हुए प्याज- 1 कप, कटी हई शिमला मिर्च- 1/4 कप, कटी हुई पीली शिमला मिर्च- 1/4 कप, कटी हुई लाल शिमला मिर्च- 1/4 कप, पंचफोरन- 1 टेबलस्पून, तेज पत्ता- 1, घी- 2 टेबलस्पून

विधि :

बासमती चावल को पानी से अच्छी तरह धोकर 15-20 मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद चावल को पका लें।

मैरिनेट की विधि- एक बाउल में दही, अदरक-लहुसन पेस्ट, सरसों का तेल, सारे मसाले और कसूरी मेथी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें तीनों तरह की शिमला मिर्च और पनीर डालें। हल्के हाथों से ऐसे मिक्स करें जिससे पेस्ट पनीर और शिमला मिर्च पर लग जाए और फिर इसे फ्रिज में 2-3 घंटे के लिए रख दें।

पुलाव- अब एक पैन में घी गर्म करें। इसमें पंचफोरन, तेजपत्ते का तड़का लगाएं। फिर कटे प्याज डालर उसे सुनहरा होने तक भून लें। इसके बाद बारी है मैरिनेट की हुई सब्जियां डालने की, जिसे 5-6 मिनट तक पकाना है। इससे ज्यादा नहीं वरना टेक्सचर खराब हो सकता है पुलाव का। मैरिनेशन के बचे पेस्ट को भी मसाले में मिक्स कर दें। अब इसमें पके हुए चावल मिक्स करें। चावल को अच्छी तरह मिक्स करें। 4-5 मिनट ढककर रखें उसके बाद गैस बंद कर....2-3 मिनट बाद गरमा-गर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 283

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

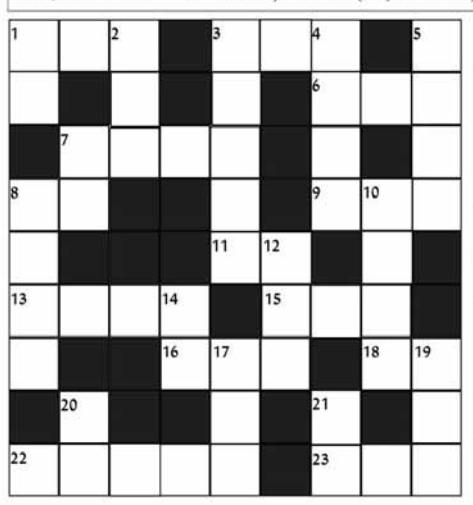

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 282 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सू-दोकू- 283

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.282 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	1	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6